प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 12 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

दुनिया का हर व्यक्ति अलग–अलग है। हर एक की अपनी अलग पहचान है। कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति–सा नहीं हो सकता। जब प्रकृति ने ही हमें अलग किया है तो हम क्यों खुद को दूसरे जैसा बनाने का प्रयास करें। हम जैसे भी हैं, जो भी हैं हम स्वयं सर्वश्रेष्ठ हैं। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए हम जितना भी श्रम करें वह इसलिए हो कि हम खुद को ऊपर उठा सकें न कि इसलिए कि हम उठकर दूसरे तक पहुँच जाएँ। इन सब कामों को करने के लिए किसी विशेष श्रम की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक छोटी–सी कोशिश भी इसके लिए काफी होगी। ध्यान रहे दुनिया के महानतम लोगों में शुमार होने वाले व्यक्तियों में भी कुछ खास नहीं था, लेकिन हाँ, अगर कुछ खास था, तो वह था उनका आत्मविश्वास और खुद की क्षमताओं पर उनका अटूट विश्वास जिससे उन्होंने जमाने की हर ऊँचाई को छुआ। आप भी यकीनन उन ऊँचाइयों को छू सकते हैं, लेकिन उसके लिए आपको अपना रास्ता खुद बनाना होगा। आपका अंदाज आपकी पहचान है। यह यकीन दिल में रखे हुए आप अपनी मंजिल की तरफ बढ़ते जाएँ; विश्वास रखिए आप दुनिया के सबसे अलग व्यक्तित्व हैं।

1. दुनिया के हर व्यक्ति को एक–दूसरे से अलग क्यों कहा गया है? 2
   उत्तर : दुनिया के हर व्यक्ति को एक–दूसरे से अलग कहा गया है क्योंकि दुनिया के हर व्यक्ति की अपनी अलग–अलग पहचान है।
2. हमारे व्यक्तित्व–विकास का उद्देश्य क्या होना चाहिए? 2
   उत्तर : हमारे व्यक्तित्व–विकास का उद्देश्य स्वयं को ऊपर उठाने का होना चाहिए।
3. महान व्यक्तियों की सबसे बड़ी खासियत क्या थी? 2
   उत्तर : महान व्यक्तियों की खासियत थी कि उनमें आत्मविश्वास था जिससे वे हर ऊँचाई को पा सकें।
4. अपने व्यक्तित्व की पहचान के लिए व्यक्ति को क्या करना चाहिए? 2
   उत्तर : अपने व्यक्तित्व की पहचान के लिए व्यक्ति को चाहिए कि विश्वास के साथ मंजिल की ओर बढ़ते जाएँ।
5. श्रम एवं कोशिश में से कौन श्रेष्ठ है? 1
   उत्तर : श्रम के बजाय कोशिश श्रेष्ठ है।
6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
   उत्तर : व्यक्तित्व की पहचान।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. पद और शब्द में क्या अन्तर है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर :

शब्द : वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं जैसे–दिव्या।

पद : शब्द जब व्याकरणिक बंधनों में बंधकर वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तो वे शब्द न कहलाकर पद कहलाते हैं जैसे–दिव्या खाना खाती है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. वह बगल के कमरे से कुछ बरतन ले आया। तौलिये से बरतन साफ किए। (संयुक्त वाक्य में)
   उत्तर : वह बगल के कमरे से कुछ बरतन लाया और तौलिए से साफ किए।
2. सीमा पर लड़ने वाले सैनिक ऐसे हैं कि जान हथेली पर लिए रहते हैं। (सरल वाक्य में)

उत्तर : सीमा पर लड़ने वाले सैनिक जान हथेली पर लिए रहते हैं।

3. मीना बाजार गई और मेरे लिए खिलौने लाई। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जब मीना बाजार गई तो मेरे लिए खिलौने लाई।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
यथार्थ, शांतिप्रिय।
उत्तर : यथार्थ– अर्थ के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
शांतिप्रिय– शांति है जिसको प्रिय (बहुव्रीहि समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
विद्या रूपी धन, चन्द्र है शिखर पर जिसके।
उत्तर : विद्या रूपी धन– विद्याधन (कर्मधारय समास)
चन्द्र है शिखर पर जिसके– चंद्रशेखर (बहुव्रीहि समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. हमारा लक्ष्य देश की चहुँमुखी विकास होना चाहिए।
उत्तर : देश की चहुँमुखी प्रगति हमारा लक्ष्य होना चाहिए।
2. क्या आप पढ़ लिए हैं?
उत्तर : क्या आपने पढ़ लिया है?
3. इसी स्थान पर कल एक लड़का और लड़की बैठी थीं।
उत्तर : एक लड़का और लड़की कल इसी स्थान पर बैठे थे।
4. पुलिस ने डाकुओं का पीछा किया गया।
उत्तर : पुलिस ने डाकुओं का पीछा किया।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए– $1 \times 4 = 4$

1. पुलिस को चोरी का कोई ..... नहीं मिला।
उत्तर : सुराग (सुराग न मिलना)
2. निमित को शादी के बाद ..... का भाव मालूम हुआ।
उत्तर : आटे–दाल (आटे–दाल का भाव मालूम होना)
3. बुढ़िया के कपड़े ..... हो चुके थे।
उत्तर : तार–तार (तार–तार होना)
4. पुलिस ने चोरों से सच उगलवाने के लिए उनकी ..... खींच ली।
उत्तर : खाल (खाल खींचना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बड़ा भाई होने के नाते क्या उन्हें अपनी इच्छाएँ दबाना जरूरी था? इस विषय पर अपने विचार दीजिए।
उत्तर : बड़ा भाई होने के नाते उन्हें अपनी स्वाभाविक इच्छाएँ दबानी नहीं चाहिए थी। यही कारण था कि उनका बचपना ही समाप्त हो गया। उन्होंने अपनी जिन्दगी का मजा लेना ही बन्द कर दिया। यही कारण था कि वे पढ़ाई में भी पिछड़ गए क्योंकि यदि वे बचपन का आनन्द लेते तो उनका मस्तिष्क भी तन्दुरूस्त रहता और पढ़ाई को भी समझ पाते।
2. बढ़ती आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर : बढ़ती आबादी से पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है। मनुष्य द्वारा रहने हेतु बस्तियाँ बनाने के कारण वन छोटे हो गए और समुद्र सीमित होने लगे। इसी का परिणाम है कि मौसम चक्र टूट गया। अब बेवक्त बरसातें, तूफान, जलजले और बाढ़ें आने लगी हैं साथ ही नए–नए रोग पैदा होने लगें। इस प्रकार बढ़ती आबादी से पर्यावरण दूषित हो गया है।
3. जापान में चाय पीने की विधि को क्या कहते हैं? यह कहाँ की देन है?
उत्तर : जापान में चाय पीने की विधि को टी–सेरेमनी कहते हैं। जापान के लोग दिमाग को आराम देने के लिए 'टी–सेरेमनी' में जाते हैं जहाँ का वातावरण बड़ा शांतिमय होता है। यह विधि झेन परम्परा की देन है।
4. तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?
उत्तर : तताँरा और वामीरो के गाँव की यह रीति थी कि एक ही गाँव के रहने वाले लड़का या लड़की अपने ही गाँव के लड़का या लड़की के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित कर सकते हैं, किसी दूसरे गाँव में रहने वाले लड़का या लड़की के साथ अपने वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं कर सकते हैं।

8. जापान में मानसिक रोगों के क्या कारण बताए गए हैं? उनसे होने वाले प्रभाव का उल्लेख करते हुए 80–100 शब्दों में लिखिए कि इसमें 'टी सेरेमनी' की क्या उपयोगिता है? 5

उत्तर : जापान के लोग पूर्णतया प्रतिस्पर्धा में है। वे किसी भी तरीके से उन्नति करके अमेरिका से आगे निकलना चाहते हैं इसलिए उनका मस्तिष्क सदा तनाव ग्रस्त रहता है। इस कारण वे मानसिक रोगों के शिकार रहते हैं। दिमाग को आराम देने के लिए वहाँ के लोग 'टी–सेरेमनी' में जाते हैं जहाँ का वातावरण बड़ा शांतिमय होता है। वहाँ प्रत्येक क्रिया गरिमापूर्ण ढंग से की जाती है। चाजीन द्वारा लेखक और उसके मित्र का स्वागत करना, अँगीठी जलाना, चायदानी रखना, बर्तन लगाना उन्हें तौलिए से पोंछना, चाय डालना आदि सभी क्रियाएँ मन को भाने वाली थी। इसका कारण यह है कि जब कोई वहाँ चाय पीने जाए तो उसका दिमाग बाहरी भागदौड़ से हट जाए, दिमाग शांत हो जाए। व्यक्ति भूत और भविष्य की चिंता छोड़कर केवल वर्तमान पर केंद्रित हो जाए। यह तरीका है दिमाग को आराम देने का जो स्वस्थ रहने हेतु अत्यावश्यक है।

अथवा

गांधी जी में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी–उदाहरण सहित इस बात की पुष्टि कीजिए। 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : गांधी जी में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी। यही कारण था कि देश को स्वतंत्र करवाने हेतु सारा देश उनके साथ था। अपने नेतृत्व के कारण ही उन्होंने अहिंसात्मक आंदोलन में सफलता प्राप्त की। उन्होंने कभी भी आदर्शों को व्यवहार में लाने की कोशिश नहीं की बल्कि मानव व्यवहार को आदर्श बनाने का प्रयास किया। आदर्शवादी विचारधारा होने के कारण वे सदा सत्य और अहिंसा के पथ पर चले तो उनका अनुकरण करने वाले भी इसी पथ पर चले।

उन्होंने कभी नेता बनकर लोगों पर अपने विचार लादने का प्रयत्न नहीं किया जैसे यदि कोई स्थान गंदा हो तो वे स्वयं सफाई करना शुरू कर देते थे धीरे-धीरे सभी उनके साथ जुट जाते थे। वे व्यवहारिकता को जीवन का आधार मानते थे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर बताइए कि 'है टूट पड़ा भू पर अंबर' का क्या आशय है?

   उत्तर : 'भू पर अंबर के टूटने' का अर्थ है- बादलों द्वारा धरती पर आक्रमण करना अर्थात् मूसलाधार वर्षा होना। पर्वतीय अंचल में अचानक बादलों के घिरने से पर्वत अदृश्य हो गए, केवल झरनों का शोर शेष रह गया है। पृथ्वी और आकाश एक हो गए, ऐसे में अचानक तेज वर्षा का होना कवि को लगता है मानो भू पर अंबर टूट पड़ा है।

2. मनुष्यता कविता के आधार पर तीन मानवीय गुणों का उल्लेख कीजिए।

   उत्तर : मनुष्यता कविता के आधार पर तीन मानवीय गुण इस प्रकार है-

   1. हमें रंतिदेव, उशीनर, दधीचि एवं कर्ण की भाँति परोपकारी होना चाहिए।
   2. धन आने पर घमंड नहीं करना चाहिए।
   3. एक-दूसरे का सहारा बनकर आगे बढ़ना चाहिए।

3. गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने में क्या रहस्य है?

   उत्तर : गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण की बाँसुरी छिपाए जाने का रहस्य यह है कि गोपियाँ श्रीकृष्ण से अधिक-से-अधिक बातों का रस (बतरस) प्राप्त करना चाहती हैं। वे उनसे बातें करने के लालच में मुरली छिपा देती हैं। वे कृष्ण के साथ अधिक समय बिताना चाहती हैं। उनके साथ प्रेमपूर्ण बातें भी करना चाहती हैं।

4. 'आत्मत्राण' कविता में किसी की सहायता न मिलने पर कवि की क्या चाहत है?

   उत्तर : 'आत्मत्राण' कविता में कवि की यह चाहत है कि जब किसी काम में उन्हें किसी की सहायता न मिले तब भी उनका आत्मविश्वास, पराक्रम एवं पुरुषार्थ यथावत बना रहे। किसी कारणवश असफलता मिले तो उससे उत्पन्न दुख व निराशा को झेलने की क्षमता बनी रहे। उसका बल-पौरुष कभी कम न हो।

10. तोप कविता में 1857 के गदर के संदर्भ का उल्लेख किया गया है, अपनी जानकारी के आधार पर 80-100 शब्दों में लिखिए कि देशभक्तों के साथ तोप ने क्या बर्ताव किया होगा? 5

उत्तर : तोप कविता में 1857 के विद्रोह के संदर्भ का वर्णन है इस तोप का प्रयोग अंग्रेजों द्वारा भारतीयों के विरूद्ध किया गया था। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि इस तोप ने भारतीय सिपाहियों की धज्जियाँ उड़ा डाली थीं। न जाने कितने ही वीरों को इसके समक्ष अपने प्राण गँवाने पड़े। कविता में भी तोप के शब्द हैं कि मैं बहुत 'जबर' थी और मैंने उड़ा दिए थे सूरमाओं के धज्जे यही साबित करते हैं कि अंग्रेजों ने भारतीय सेना पर अत्यधिक अत्याचार किए और निर्ममता से उन्हें मारा। हमें इसी के आधार पर कभी यह नहीं भूलना चाहिए कि देश को आजादी दिलाने के लिए अनगिनत वीरों ने अपना बलिदान दिया है।

अथवा

कबीर ने निंदक को पास रखने की सलाह क्यों दी है? अगर कोई आपके किसी काम की निंदा करे तो आपका उसके प्रति क्या व्यवहार होगा? 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : कबीर ने निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श दिया है क्योंकि निंदक अपने स्वाभावानुसार हमारी गलतियों को उजागर करेगा और हमें उन्हें सुधारने का मौका मिलेगा। यदि कोई मेरे बारे में मेरी निंदा करेगा तो शायद मुझे थोड़ा बुरा लगेगा लेकिन साथ ही मैं कबीर की सीख से सावधान हो जाऊँगा और निंदक की बात का बुरा न मानकर अपनी कमी को सुधारने का प्रयत्न करूँगा।

11.

1. घर वालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इफ्फन के घर और उसकी दादी से क्यों था? दोनों के अनजान, अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार 60-70 शब्दों में समझाइये। 3

   उत्तर : इफ्फन मुसलमान और टोपी हिन्दू परिवार से संबंध रखता था। पहली मुलाकात में ही दोनों की दोस्ती हो गई। टोपी का लगाव इफ्फन के घर और उसकी दादी में अधिक रमता था। जबकि उसके घर वालों को यह पसन्द न था। इफ्फन का स्नेह टोपी के प्रति अधिक था। दोनों अपनी दुख-सुख की बातें एक-दूसरे से कर लेते थे। दूसरी ओर टोपी को इफ्फन के घर जाना अच्छा लगता था क्योंकि इफ्फन की दादी से उसका अपार स्नेह था। उसकी माँ और इफ्फन की दादी की भाषा एक थी। वह उसे उसकी दादी से अधिक स्नेह करती थी। उसे कहानियाँ-किस्से सुनाती थी। यह कहना भी गलत न होगा कि एक बच्चा (टोपी) और बुजुर्ग (दादी) न जाने किस अटूट रिश्ते में बँधे थे। मेरे विचार में कोई भी प्रेममय रिश्ता जात-पात, आयु भेद या लिंग पर निर्भर नहीं होता।

2. हरिहर काका को दो बार अमानवीय व्यवहार का शिकार होना पड़ा, क्यों? क्या आपकी दृष्टि में यह उचित था? 60–70 शब्दों में समझाइये। 3

उत्तर : हरिहर काका के साथ दो बार अमानवीय व्यवहार किया गया। पहली बार महंत के साथियों द्वारा उनकी जायदाद पर हस्ताक्षर करवाने के लिए और दूसरी बार उनके अपने ही भाइयों द्वारा जब उन्होंने भाइयों के कागजों पर हस्ताक्षर करने से मना किया। ठाकुरबाड़ी का महंत और उनके भाई दोनों ही उनसे उनकी जायदाद हथियाना चाहते थे। उनके नाम 15 बीघे जमीन थी। महंत चाहता था कि वे अपनी जमीन ठाकुरबाड़ी के नाम कर दें और भाई चाहते थे कि उनकी संपत्ति पर उन्हीं का अधिकार है इसलिए हरिहर काका को अपनी संपत्ति उनके नाम कर देनी चाहिए। यह पूर्णतया अनुचित है। ठाकुरबाड़ी का महंत और उनके भाई दोनों को ही यह अधिकार नहीं कि हरिहर काका की चाहत के अनुरूप या जबरदस्ती वे उनकी जायदाद के मालिक बने। हरिहर की अपनी मरजी होनी चाहिए कि वे अपनी संपत्ति किसे दें। वास्तव में हरिहर काका भी टूट चुके थे। उनके भाई उनके धन पर ऐश तो करते थे लेकिन उनकी देखभाल कोई नहीं करना चाहता था। दूसरी ओर मंहत लालची प्रवृति का था। उसे हरिहर काका से नहीं बल्कि उनकी संपत्ति को हड़पने की चाह थी।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– 6

1. **ग्रामीण जीवन और भारत।**
   ✲ गाँव और शहर ✲ दोनों प्रकार के जीवन में भेद ✲ सुविधा, असुविधा।
2. **विद्यालय का वार्षिकोत्सव।**
   ✲ तैयारी एवं प्रस्तुति ✲ विभिन्न कार्यक्रम ✲ प्रगति की झाँकी।
3. **बेरोजगारी और आज का युवा वर्ग।**
   ✲ समस्या का स्वरूप ✲ बेरोजगारी का कारण ✲ दूर करने के उपाय।

उत्तर :

1. ग्रामीण जीवन और भारत

भारत को गाँवों का देश कहा जाता है। देश की विस्तृत आबादी आज भी यहाँ के गाँवों में ही रहती है। आजादी के सात दशक बाद भी यहाँ दो देश की झलक मिलती है– एक 'भारत' एवं एक इंडिया। यह देश के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों की वास्तविकता बताने के लिए काफी है। ग्रामीण शहरी जीवन की कठिनाइयों से घबराते हैं। उन्हें शहरों का शोर–शराबा, भीड़, धुआँ और प्रदूषण घातक लगता है। शहर में नित नए अपराध भी उन्हें सताते हैं। शहरी जीवन कठिन चुनौतियों से भरपूर और अत्यंत ही गतिशील होता है। नवीनतम और अत्याधुनिक सुख–सुविधाओं के साधन सहजता से उपलब्ध होते हैं लेकिन सभी अति व्यस्त जीवन जीते हैं। वे ग्रामीणों की तरह धूप, हरियाली और शांतिपूर्ण वातावरण का आनन्द लेने से वंचित रह जाते हैं। आज गाँवों में शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, परिवहन और बिजली जैसी समस्याओं का भी अभाव है। हम गाँव में रहे या शहर में सही संतुलन रखना आवश्यक है क्योंकि ये दोनों ही भारत के विकास के अभिन्न अंग हैं।

2. विद्यालय का वार्षिकोत्सव

वार्षिकोत्सव का अर्थ है सालाना जलसा। प्रत्येक विद्यालय का यह सबसे बड़ा उत्सव होता है। हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव प्रत्येक वर्ष नवम्बर महीने में मनाया जाता है। इस दिन विद्यालय प्रांगण में बहुत बड़ा पंडाल और मंच बनाया गया था। फूलों के गमले पूरे मार्ग में सुशोभित थे। स्कूल के मुख्य द्वार पर स्कूल का बैंड बज रहा था। ठीक 10 बजे मुख्य अतिथि राज्यपाल महोदय आ पहुँचे जो समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रधानाचार्या और हेड ब्वॉय ने उनका स्वागत किया। हेड गर्ल ने पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आरंभ हुआ है। इसके बाद समूह नृत्य और गीत के बाद नाटक प्रस्तुत किए गए। कव्वाली ने तो समां ही बना दिया। इसके बाद विद्यालय की प्रगति का रिपोर्ट प्रस्तुत हुआ। अध्यक्ष महोदय और प्रधानाचार्य ने मिलकर उपस्थिति, पढ़ाई और खेलों में उत्तम छात्रों को पुरस्कार दिए। उनके सुन्दर भविष्य की कामना की और विद्या का महत्व बताया। उपप्रधानाचार्या जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। फिर देशभक्ति की कविता के साथ समारोह का समापन किया गया।

3. बेरोजगारी और आज का युवा वर्ग

प्राचीन भारत 'सोने की चिड़िया' के नाम से विख्यात था। किंतु आज यह विकासशील देशों की श्रेणी में दिखाई देता है। आज हमारे देश में जितनी भी समस्याएँ और अव्यवस्थाएँ दिखती हैं उनके मूल में एक ही समस्या है– बेरोजगारी। काम करने योग्य इच्छुक व्यक्ति को कोई काम न मिलना बेरोजगारी कहलाता है। इस भीषण समस्या के अनेक कारणों में एक कारण है दोषपूर्ण शिक्षा पद्धति। जनसंख्या वृद्धि और कुटीर उद्योगों का ह्रास भी इसके मुख्य कारणों में एक है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में रोजगारोन्मुख शिक्षा व्यवस्था का सर्वथा अभाव होने से बेरोजगारी की समस्या दिनों–दिन विकराल होती जा रही है। इस समस्या का सर्वोत्तम हल है कि लोगों को नौकरियों का लालच छोड़कर निजी काम की शुरूआत करनी चाहिए। उद्योग–धंधों को पुनर्जीवित करना और शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाना भी एक सार्थक पहल होगी। भारत सरकार को भी युवा वर्ग में कौशल विकास के प्रति अभिरूचि जगाकर तमाम नीतियों को कार्यान्वित करना चाहिए।

13. आप जिस कॉलोनी में रहते हैं, वहाँ आपके आयुवर्ग वाले बच्चों के लिए खेलने की कोई व्यवस्था नहीं है। अपने खेल के मैदान की व्यवस्था के लिए नगर–निगम/नगर–पालिका अध्यक्ष को 80–100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

उत्तर :
सेवा में,
अध्यक्ष महोदय
दिल्ली नगर-निगम
विकासपुरी, दिल्ली
विषय : खेल के मैदान की व्यवस्था करने हेतु।
महोदय,

मैं विकासपुरी क्षेत्र का निवासी राहुल आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में बच्चों के लिए खेलने का कोई मैदान नहीं है। हम बाग-बगीचों में जाकर खेलते हैं तो वहाँ बैठने, टहलने एवं व्यायाम करने वाले इस पर आपत्ति दर्शाते हैं। कृपया आप हमारे लिए एक मैदान की व्यवस्था करें ताकि मेरी आयुवर्ग वाले सभी बच्चे खेल सकें। आशा करता हूँ कि आप इस ओर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।
धन्यवाद!
प्रार्थी
हरिश
दिनांक : 28 नवम्बर, 2019

अथवा

बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक-मैनेजर के नाम 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।
उत्तर :
नीलकमल शर्मा,
16 रामनगर, कोटा
सेवा में,
प्रबंधक
बैंक ऑफ बड़ौदा
राम नगर शाखा, कोटा
दिनांक : 6 अप्रैल, 2019
विषय : बैंक में नया बचत-खाता खोलने हेतु।
महोदय,

निवेदन है कि मैं आपके बैंक में अपने नाम से एक बचत-खाता खोलना चाहता हूँ। कृपया अनुमति प्रदान करते हुए इस विषय में उचित जानकारी दें।
सधन्यवाद!
भवदीय
नीलकमल शर्मा

14. शिक्षक-दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन करने के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम के बारे में विद्यार्थियों की सभा के लिए एक सूचना लगभग 40-50 शब्दों में जारी करें। 5

उत्तर :

सूचना पट्ट

जयपुर पब्लिक स्कूल, जयपुर

सूचना

प्रिय साथियों आप सभी को ज्ञात है कि कल 5 सितंबर को शिक्षक-दिवस है। इस अवसर पर विद्यालय में विशाल सभा का आयोजन होगा। उसमें दो विद्यार्थी शिक्षक की महिमा पर भाषण देंगे। दो विद्यार्थी कविता पाठ करेंगे और एक विद्यार्थी नाटिका प्रस्तुत करेगा। सभी विद्यार्थी कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं।
कार्यक्रम संयोजक
साहित्य विभाग
दिनांक : 4 सितंबर, 2019

अथवा

आप जयपुर स्थित सरस्वती उच्च विद्यालय की बाल-कल्याण परिषद् के सचिव हैं। आपने पास स्थित झुग्गी-झोंपड़ी के बच्चों की सहायता के लिए कक्षाएँ लगाने का निर्णय किया है। जो विद्यार्थी इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग देना चाहते हैं, उनके नाम 6 जून तक खेल परिषद् के कार्यालय में जमा कराने के लिए 40-50 शब्दों में सूचना जारी करें।
उत्तर :

सूचना पट्ट

सरस्वती उच्च विद्यालय, जयपुर

बाल कल्याण परिषद्

सूचना

प्रिय साथियों हमारे विद्यालय की बाल कल्याण परिषद् पास की झुग्गी-झोंपड़ी के गरीब बच्चों की सहायता के लिए अतिरिक्त कक्षाएँ लगाने जा रही है। ये कक्षाएँ एक मास तक हर रोज शाम 5 से 7 बजे तक लगेंगी। इनमें पढ़ाई के दौरान बच्चों को आने वाली समस्याओं का समाधान करने का प्रयत्न किया जाएगा। इस पुण्य कार्य के लिए जो भी छात्र-छात्राएँ आगे आना चाहते हैं, वे अपने नाम 6 जून तक बाल कल्याण परिषद् के कार्यालय में जमा करवा दें।
दुर्गेश माथुर
सचिव, बाल कल्याण परिषद्
दिनांक : 1 जून, 2019

15. दो मित्रों के मध्य भ्रष्टाचार के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त करते हुए हुई बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद रूप में लिखिए। 5

उत्तर :
पहला नागरिक : सूरज
दूसरा नागरिक : श्याम
सूरज : आजकल समाचार-पत्र पढ़ने का मन ही नहीं करता।
श्याम : क्यों मित्र?
सूरज : भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार! कोई भी अच्छा समाचार पढ़ने वाला नहीं होता।

श्याम : वह कैसे?

सूरज : देखो! पूरा समाचार–पत्र चोरी, डकैती, लड़ाई–झगड़ा, बलात्कार, मार–काट आदि के समाचारों से भरा पड़ा है।

श्याम : इसका एक ही कारण है कि हमारे समाज में नैतिक मूल्यों में गिरावट आती जा रही है।

सूरज : अगर ऐसा ही होता रहा तो हमारा देश भारत अपनी सभ्यता और संस्कृति की पहचान ही खो देगा।

श्याम : तुम सही कहते हो। हम युवाओं को इस हेतु प्रयास करना चाहिए। लोगों के मध्य मेल–जोल, प्रेम, भाईचारे आदि की भावना को बढ़ाना चाहिए ताकि वे एक–दूसरे के लिए गलत विचारधाराएँ मन में न लाएँ बल्कि एक–दूसरे के सहयोगी बने।

अथवा

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर दो महिलाओं के मध्य हुए संवाद को 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

पहली महिला : मीरा

दूसरी महिला : सीमा

मीरा : आज मेरी तबीयत बहुत खराब है।

सीमा : क्या हुआ मीरा?

मीरा : मुझे इतनी खाँसी हो रही है कि बार–बार साँस फूल जाती है।

सीमा : तुमने डॉक्टर को दिखाया?

मीरा : हाँ, डॉक्टर का कहना है कि प्रदूषण के कारण ऐसा हो रहा है।

सीमा : प्रदूषण तो दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

मीरा : प्रदूषण से बीमारियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं।

सीमा : तुम ठीक कह रही हो। इसके लिए क्या करें?

मीरा : वाहन कम चलाएँ और वृक्षारोपण की ओर अधिक ध्यान दें।

सीमा : यह चिंता का विषय है सभी को मिलकर कुछ करना चाहिए।

मीरा : सभी को सतर्क होना पड़ेगा। एक व्यक्ति एक पेड़ होना चाहिए।

16. 'एट्लस साइकिल' का एक सुन्दर विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

एट्लस साइकिल

आइए! आइए!! कम दामों में पाइए!!!

साइकिल के साथ आकर्षक उपहार पाइए।

सभी साइकिलों पर 15% की छूट

- **सभी रंगों में उपलब्ध।**
- **सभी आकारों में उपलब्ध।**
- **रेंजर वाली।**
- **मजबूत साइकिल।**

आनंद साइकिल स्टोर
तीन दुकान,
जयपुर
मोबाइल नं.- 9052941004

अथवा

25 वर्षीय सुन्दर, सुशील, 5 फीट 2 इंच वधू हेतु वर चाहिए। इस हेतु 25–50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

वधू हेतु वर चाहिए

25 वर्षीय सुन्दर, सुशील, 5 फीट 2 इंच वधू हेतु, 25 से 30 वर्षीय सुन्दर, शिक्षित, बिजनेसमैन या सरकारी कर्मचारी, 5 से 6 फीट ऊँचाई वाला वर चाहिए।

संपर्क: राजाराम
मोबाइल नं. : 9982741240

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online